

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

†

*२०३ { श्री भक्त दर्शन :
श्री भागवत झा आजाद :
श्री बागड़ी :

क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री ३० अगस्त, १९६२ के तारंकित प्रश्न संख्या ७१९ के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में भ्रष्टाचार के कारणों का अध्ययन कर के एक समिति ने जो रिपोर्ट कुछ दिनों पहले दी थी, उस की विभिन्न सिफारिशों की क्रियान्विति की दिशा में इस बीच क्या प्रगति हुई है ?

The Deputy Minister in the Ministry of Works, Housing and Supply (Shri Jagannatha Rao): Most of the recommendations made by the Departmental Committee for inquiring into corruption in the Central Public Works Department have been accepted by Government and instructions are being issued to the Chief Engineer, Central Public Works Department for implementing them.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, इस सम्बन्ध में पिछली बार जब मैं ने प्रश्न पूछा था तो बताया गया था कि इस के बारे में कुछ निर्णय हो जायेगा तब उन सिफारिशों का सारांश इस सदन के पटल पर रख दिया जायेगा . . .

Shri Jagannatha Rao: I am going to place on the Table a summary of the recommendations.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, क्या माननीय मंत्री जो यह बनाने की कृपा करेंगे कि वे कौन सी मुख्य सिफारिशें हैं, कम से कम उन पर प्रकाश डाल दिया जाय, और उन के लिये कौन से खास कदम उठाये जा रहे हैं ?

अध्यक्ष महोदय : वह उन सिफारिशों को सदन की मेज पर रख ही रहे हैं ।

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, बात यह है कि यह विषय बहुत महत्वपूर्ण है और कई वर्षों से इस पर विचार हो रहा है ।

अध्यक्ष महोदय : वह उन को सदन की मेज पर रख ही रहे हैं । उन को कहां तक पढ़ेंगे ।

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, जो एक दो मुख्य सिफारिशें हैं उन के बारे में तो बता दिया जाये और उन के बारे में क्या कदम उठाये जा रहे हैं यह बता दिया जाये ।

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : हम चार पांच चीजें कर रहे हैं । हमारा जो विजिलेंस है, उस को हम ज्यादा तेज करना चाहते हैं और यह भी चाहते हैं कि विजिलेंस के केसेज बहुत जल्द खत्म हों । दूसरे जो हमारा टैकनिकल एग्जामिनेशन का सैल है उस को मैं मजबूत करना चाहता हूं ।

तीसरी चीज जो मैं करना चाहता हूं वह यह है कि हमारे ६ इंजीनरल चीफ इंजीनियर हैं वे सब के सब दिल्ली में बैठे हैं । उन में से एक तो बाहर जा चुका है और बाकियों को भी भेजना चाहता हूं ताकि इंस्पेक्शन-आन-दी-स्पार्ट हो जिस से ठेकेदार भी चौकन्ने हों और भ्रमला भी चौकन्ना हो ।

इस के अलावा हमारे पांच सुपरिन्टेन्डिंग इंजीनियर हैं जो कि बिजली का काम करते हैं । वे सब दिल्ली में बैठे हैं और हमारे हिन्दुस्तान का काम करते हैं । उन को भी बाहर भिजवा रहा हूं आहिस्ता आहिस्ता ।

एक दो और चीजें कर रहा हूं । आज तक तो हमारे ठेकेदार भाई हैं उन की एक तरह की मानापली चली आ रही है । अब मैं कुछ काम नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन को दे रहा हूं कुछ काम भारत सेवक समाज जैसी संस्थाओं को दे रहा हूं ताकि मानापली नूटे, और इस के अलावा जो इंस्पेक्शन और विजिलेंस जो है वह जितना भी तेज हो सके हो ।

श्री त्यागी : आप साधु समाज को कुछ काम नहीं दे रहे। उन को भी थोड़ा काम दे ।

दीजिये और कुछ आर्य समाज को भी दे दीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : कुछ काम प्राइवेट मੈम्बरों को भी करना है, साधुसमाज के लिये काम वह करेगे ।

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैम्बरों की कोम्पारटिव सोसाइटी बन सकती है ।

Foreign Exchange for Third Five Year Plan

*204. **Shri Harish Chandra Mathur:** Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) how much foreign exchange has been made available up-to-date for the Third Five Year Plan;

(b) what is the unutilized foreign exchange made available for the Second Five Year Plan and reasons for the same; and

(c) what steps, if any, have been taken for quick and efficient utilisation of foreign exchange?

The Deputy Minister in the Ministry of Finance (Shrimati Tarkeshwari Sinha): (a) The amount of foreign exchange so far made available or promised in the shape of external assistance for Third Plan Projects and Programmes is Rs. 1880 crores.

(b) and (c). The unutilized foreign exchange in the shape of external assistance made available for the Second Plan is Rs. 375 crores. A statement showing the reasons for the non-utilisation of the full amount and the steps taken for quick and efficient utilisation of external assistance is laid on the Table of the House. [See Appendix I, annexure No. 53].

Shri Harish Chandra Mathur: In the Third Plan we have got over a thousand crores by way of external assistance. How much of it is tied to various projects and how much of it untied? May I also know whether the untied amount is being readjusted in the light of this emergency?

Shrimati Tarkeshwari Sinha: Mostly the loans which have been given to us are tied and only a little proportion is untied.

Shri Harish Chandra Mathur: Let us have a clear answer, Sir.

The Minister of Finance (Shri Morarji Desai): Of Rs. 375 crores, Rs. 345 crores are tied and Rs. 30 crores untied.

Shri Harish Chandra Mathur: I refer to part (a) of the question. Out of Rs. 1880 crores, how much is tied with various projects and how much remains untied? In the light of our present emergency have we considered the readjustment of the Plan with regard to the untied credit?

Shri Morarji Desai: Out of Rs. 1880 crores, Rs. 375 crores are the spill-over and so that goes out of it. Most of the rest is tied and there is very little that is untied in it. All this is being considered to see if there is any readjustment required. I cannot give you any detail at present.

Shri A. P. Jain: What efforts are being made to convert tied assistance into untied assistance?

Shri Morarji Desai: Only by persuading them—these efforts are going on.

Shri Harish Chandra Mathur: The statement indicates that the Second Plan assistance could not be utilised because it was tied to various projects. Our information was that over Rs. 30 crores was untied. Why could—that untied assistance—not be utilised?

Shrimati Tarkeshwari Sinha: They are also required to be utilised on the basis of certain priorities; they become naturally interlinked. We are interested in allotting foreign exchange from the untied reserves and we are looking into that.

Shri Hari Vishnu Kamath: Has the Government got even an approximate estimate of the quantum of foreign exchange that will be needed for acquisition of armaments and other